

Title : Regarding construction of National Highways No. 57 in Bihar.

श्री हुकमदेव नारायण यादव : अध्यक्ष महोदया, मैं आपके माध्यम से एक महत्वपूर्ण विषय को उठा रहा हूँ। द्वारकाधाम पोरबंदर से लेकर कोहिमा तक भारत की पश्चिमी सीमा से पूर्वी सीमा को जोड़ने वाली सड़क माननीय श्री अटल बिहारी वाजपेयी के समय में 4-लेन का एक्सप्रेस हाईवे बनना है। यह हाईवे कई राज्यों से होकर जाता है। बिहार में गोपालगंज से लेकर किशनगंज तक यह सड़क सात जिलों से निकलती हुई कोसी की बाढ़ से प्रभावित इलाकों को जोड़ती है। श्री अटल बिहारी वाजपेयी के प्रयास से कोसी से 14 किलोमीटर पर एक महासेतु का निर्माण होना है जिसके लिये मिथिलांचल और उत्तर बिहार के लोग सदा उनके ऋणी रहेंगे। इस योजना के कारण लाभ मिलने वाला है। दुर्भाग्य की बात है कि इस सड़क

के लिये जो जमीन बिहार के किसानों की ली जा रही है, उसका उन्हें उचित मुआवजा नहीं दिया जा रहा है जबकि एनएचआई ने हरियाणा, पंजाब या दूसरे राज्यों में किसानों को उचित मुआवजा दिया है। जब जमीन का अधिग्रहण किया जाता है तो गलत नोटिफिकेशन निकाल दिया जाता है। इससे किसानों को परेशानी हो रही है। जब मिट्टी की कटाई की जाती है, जब एग्रीमेंट किया जाता है तो कुछ किसानों को पैसा दिया जाता है लेकिन कुछ वहां रंगदारी करते हैं। इस कारण कार्य में विलम्ब हो रहा है। जहां भी महासेतु बन रहे हैं या निर्माण किया जा रहा है, उनके लिये सब-कंटेक्टर बहाल किये जाते हैं जिससे दिन-प्रतिदिन दुर्घटनाएँ हो रही हैं। भारत सरकार का उपक्रम एनएचआई जो रेट तय करता है, उससे 30-40-50 प्रतिशत कम रेट पर सब-कंटेक्टर बहाल किये जाते हैं जहां न पारदर्शिता है, न गुणवत्ता है, न ही निष्पक्षता और न समयबद्धता है। इस कारण सारे हाईवेज नेगलैक्ट हो रहे हैं। पश्चिम से पूर्व तक उत्तर बिहार से पूर्वी उत्तर प्रदेश और गुजरात की जीवन रेखा के साथ खिलवाड़ न हो, इस कार्य को प्राथमिकता दी जाये। बिहार के किसानों को न्याय मिलना चाहिये। एनएचआई और जो दूसरी कम्पनियां काम कर रही हैं, उनके कार्य की जांच करने के लिये संसद की संयुक्त संसदीय समिति बनायी जाये जो इस मामले की जांच करे और सभी अपराधियों को राष्ट्रद्रोह के अपराध में बंद किया जाये।

श्री मंगनी लाल मंडल : अध्यक्ष महोदया, मैं इस मामले से स्वयं को सम्बद्ध करना चाहता हूँ।

अध्यक्ष महोदया : जो माननीय सदस्य अपने आपको इस मामले से सम्बद्ध करना चाहते हैं, वे अपना नोटिस भेज दें ताकि उनके नाम सम्बद्ध कर दिये जायें।

श्री मंगनी लाल मंडल,

श्री दिनेश चन्द्र यादव,

श्री विश्वमोहन कुमार और

श्री उदय सिंह के नाम इस मामले से सम्बद्ध किये जाते हैं।